DEPARTMENT OF HINDI

Course Outcomes (CREDIT SEMESTER SYSTEM - 2019 PATTERN) M.A

Course Name	Subject Name	Course Outcomes
एम.ए.भाग–1 (प्रथम अयन)	पाठ्यचर्या:1.भाषाविज्ञान	1.भाषाविज्ञान का स्वरूप समझेंगे I 2.तुलनात्मक भाषाविज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे I 3.ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे I 4.अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान से भाषा वैज्ञानिक कौशल से अवगत होंगे I 5.स्वनविज्ञान, अर्थविज्ञान के ज्ञान से अवगत होंगे I 6.कोश विश्लेषण के कौशल से अवगत होंगे I 7.रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान,प्रोक्तिविज्ञान, समाज भाषाविज्ञान का स्वरूप समझेंगे I 8.भाषा वैज्ञानिक कौशल के आधार पर वर्तमान भाषा,साहित्य आदि का मूल्यांकन करना सिखेंगे I
	पाठ्यचर्या: 2.प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	1. प्राचीन काव्य के सामाजिक,सांस्कृतिक एवं राजनीतिक परिस्थिति का ज्ञान प्राप्त करेंगे I 2. आदिकालीन वीर एवं गार की कविताओ से I 3.आदिकालीन धार्मिक रासो, लौकिक,प्रेमपरक एवं गद्य काव्य से परिचित होंगे I 4. अमीर खुसरो के काव्य में अभिव्यक्त लोकतत्व से परिचित होंगे I 5. पृथ्वीराज रासो का जीवन संघर्ष, त्याग एवं बलिदान से परिचित होंगेI 6.प्राचीन एवं मध्यकालीन महाकाव्य परंपरा से अवगत होंगे I 7.सगुण और निर्गुण भक्तिधारा से परिचित होंगे 8.मीराबाई की भक्ति और विद्रोह को जानेंगे

	पाठ्यचर्या:3.हिंदी कहानी साहित्य	1. हिंदी कहानी साहित्येतिहास को समझेंगे I 2. प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत होंगे I 3.राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह की कहानी कला को समझेंगे I 4. सत्यवती मलिक,अज्ञेय, शेखर जोशी, ज्ञानरंजन की कहानी का आस्वादन व मुल्यांकन करेंगे I 5.कहानी साहित्य की आलोचना करेंगे 6. कहानी लेखन कला से अवगत होंगे 7.मोहनदास नैमिशराय,जयप्रकाश कर्दम,जैनेद्र, अरविंद मिश्र की कहानी कला सिखेंगे 8.कहानी साहित्य द्वारा अभिव्यक्त जीवन मूल्य से अवगत होंगे
	पाठ्यचर्या :4. वैकल्पिक :- हिंदी व्यवहारिक व्याकरण	1.छात्र भाषा का शुद्ध रूप समझेंगे I 2.हिंदी भाषा –व्याकरण की विधि का ज्ञान प्राप्त होगा I 3.व्याकरण अध्ययन से हिंदी भाषा का पूर्ण ज्ञान प्राप्त होगा I 4.वर्ण विचार का ज्ञान प्राप्त होगा I 5.हिंदी भाषा सीखने में कठिनाइया दूर होगी 6.शब्द साधन,वाक्य विन्यास का ज्ञान प्राप्त होगा 7.भाषा शिक्षण संबंधी चारों कौशलों का ज्ञान प्राप्त होगा 8.तुलनात्मक व्याकरण के अध्ययन एवं विश्लेषण का कौशल प्राप्त होगा
एम.ए.भाग–1 **(प्रथम अयन)**	पाठ्यचर्या: 5. हिंदी नाटक और रंगमंच	1.नाटक के स्वरूप एवं संरचना से अवगत होंगे I 2.भारतीय नाटक के विकासक्रम को जानेंगे I 3. हिंदी नाटक और रंगमंच की विकास यात्रा का अध्ययन करेंगे I 4.रंगमंच की विभिन्न शैलिया जानेंगे I 5. नाट्याभिनय कौशल प्राप्त होगा I

		6.मोहन राकेश के नाटक साहित्य से परिचित होंगे I 7.मीराकांत के नाटकों का अध्ययन करेंगे I 8.मोहन राकेश और मीरा कांत की नाट्य भाषा तथा शैली से अवगत होंगे I
	पाठ्यचर्या : 8. शोध प्रविधि	1.छात्र शोध प्रविधि को समझेंगे I 2.शोध दृष्टि का विकास करना I 3.शोध की प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त होगी I 4.शोध प्रक्रिया एवं शोधप्रबंध लेखन कौशल विकसित करना I 5.छात्र प्रत्यक्ष शोध कार्य से जुडेंगे 6.शोध परियोजनाओं के अंतर्गत शोध कार्य करेंगे 7.ऐतिहासिक,वर्णनात्मक, तुलनात्मक,प्रायोगिक,सर्वेक्षणात्मक शोध को समझेंगे I 8.शोध निष्कर्ष संबंधी तर्क पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे
एम.ए.भाग–1 **(द्वितीय अयन)**	पाठ्यचर्या : 9 . भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1.भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम समझेंगे I 2.रस सिद्धांत का स्वरूप समझेंगे I 3 रस के अंग तथा साधारणीकरण की प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त करेंगे I 4.ध्वनि सिद्धांत और ध्वनि काव्य के प्रमुख भेदों का ज्ञान प्राप्त होगाI 5.प्रोक्ति विज्ञान का कार्य एवं स्वरूप समझेंगे I 6. प्रोक्ति का कौशल हासिल करेंगे 7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम समझेंगे I प्लेटो तथा अरस्तु के अनुकरण सिद्धांत का ज्ञान प्राप्त करेंगे 8.टी.एस. इलियट के काव्य से संबंधित सिद्धांतो का ज्ञान प्राप्त करेंगे

	पाठ्यचर्या : 10 . भारतीय लोकसाहित्य	1. लौकिक साहित्य की आधार भूमि समझेंगे I 2. विभिन्न प्रदेशों की भाषा,संस्कृति का अध्ययन करेंगे I 3. विभिन्न सामाजिक व्यवस्थाओं, जातियों एवं जनजातियों का अध्ययन करेंगेI 4. लोककथा और लोकभाषा का अध्ययन करेंगे I 5.लौकिक साहित्य और लिखित साहित्य के अंत:संबंध का अध्ययन करेंगे I 6.समाज की मान्यताएँ,अंधविश्वास,त्यौहार,रीति-रिवाज,गीत,कथा-कहानिया,लोकोक्तिया,कहावते आदि का अध्ययन करेंगे I 7. विभिन्न प्रदेशों व भाषा के लोकसाहित्य में निहित जीवनमुल्यों से परिचित होंगे और उसका प्रचार प्रसार करेंगे I 8.लोकसाहित्य विषय को लेकर शोधकार्य करेंगे I
	पाठ्यचर्या : 11 . हिंदी उपन्यास साहित्य	1.छात्रों को उपन्यास की विकासयात्रा का ज्ञान प्राप्त होगा I 2.उपन्यास के भिन्न-भिन्न भेदों का ज्ञान प्राप्त होगा I 3.पठीत उपन्यासों की युग चेतना का ज्ञान प्राप्त होगा I 4. उपन्यासों में अभिव्यक्त चरित्रों का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन करेंगे I 5. उपन्यासों में अभिव्यक्त सहजीवन मूल्यों का प्रचार प्रसार करेंगे I 6. उपन्यास लेखन कला का ज्ञान अर्जित होगा I 7. उपन्यासों का शोध अध्ययन दृष्टि से ज्ञान अर्जित करेंगे I 8. उपन्यास के तत्व में जो परिवर्तन हुआ है उसका ज्ञान अर्जित करेंगे I

	पाठ्यचर्या : 12 . हिंदी आलोचना	1.छात्र हिंदी आलोचना से अवगत होंगे I 2.छात्र आलोचना के सामाजिक सरोकार से अवगत होंगे I 3.छात्रों को आलोचना साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन का ज्ञान प्राप्त होगा I 4. छात्र मनोवैज्ञानिक आलोचना कौशल अर्जित करेंगे 5.छात्रों को शैलीवैज्ञानिक आलोचना और सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना का ज्ञान प्राप्त होगा I 6.छात्रों को स्वच्छंदतावादी आलोचना,पारिस्थितिकी आलोचना आदि आलोचना का ज्ञान प्राप्त होगा I 7.छात्रों को हिंदी के प्रमुख आलोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेई के आलोचना का ज्ञान प्राप्त होगा I 8.आलोचना का प्रत्यक्ष ज्ञान एवं शोध में आलोचना का महत्व आदि ज्ञान प्राप्त होगा I
	पाठ्यचर्या : 12 . हिंदी पत्रकारिता	1.छात्र हिंदी पत्रकारिता का विकास समझेंगे I 2. प्रेस कानून एवं आचार संहिता का ज्ञान प्राप्त होगा I 3.समाचार संकलन कार्य सीखेंगे I 4.समाचार के स्रोत,समाचार समितियों की भूमिका आदि का ज्ञान प्राप्त होगा I 5.पत्रकारिता लेखन का ज्ञान प्राप्त होगा I 6.संपादकीय ,अग्रलेख का स्वरूप,ग्रंथ का ज्ञान प्राप्त होगा I 7.मुद्रण एवं संपादन कला अवगत करेंगे I 8.मुद्रण में कंप्यूटर का प्रयोग सीखेंगे I

एम.ए. भाग – 2 (तृतीय अयन)	पाठ्यचर्या:9. आधुनिक काव्य (आदर्शवादी,छायावादी तथा अन्य काव्य)	1.छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना I 2.छात्रों में आधुनिक काव्य -अध्ययन की दृष्टि विकसित करना I 3.काव्य मूल्यांकन –दृष्टि विकसित करना I 4.काव्य-संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन से छात्रों को अवगत करना I 5.छात्रों में काव्य –सर्जन कला का विकास करना I
	पाठ्यचर्या : 10. भारतीय लोकसाहित्य	1.भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना I 2.छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना I 3.भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना I 4.भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना I 5.साहित्य-अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना I
	पाठ्यचर्या : 11 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल,रीतिकाल)	1.हिंदी साहित्येतिहास लेखन परिचय देना I 2.हिंदी साहित्येतिहास के कालविभाजन तथा नामकरण का परिचय देना I 3.आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना I
	पाठ्यचर्या : 12.वैकल्पिक (ख) संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप	1. संचार माध्यम और संप्रेषण अवधारणाओं का परिचय देना I 2.संचार माध्यम की अवधारणा और स्वरूप का परिचय देना I 3. संचार माध्यम की बहुआयामी भूमिका का परिचय देना I 4.संचार माध्यम कौशल विकसित करना I
एम.ए. भाग – 2 (चतुर्थ अयन)	पाठ्यचर्या :13. आधुनिक कविता	1.छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना I 2.छात्रों में आधुनिक काव्य -अध्ययन की दृष्टि विकसित करना I 3.सर्जनात्मक कौशल से अवगत कराना I 4.आलोचानात्मक दृष्टि विकसित करना I

	पाठ्यचर्या : 14 हिंदी भाषा का विकास	1.हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना I 2.आधुनिक आर्य भाषाओं का परिचय देना I 3.हिंदी के स्वनिम व्यवस्था का परिचय देना I 4.हिंदी की रूप रचना से अवगत करना I 5.हिंदी भाषा के योगदान से अवगत करना I
	पाठ्यचर्या : 15 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1.हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से छात्रों को अवगत कराना I 2.द्विवेदी युग,छायावाद,प्रगतिवाद,प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों से परिचित कराना I 3.ऐतिहासिक दृष्टि विकसित करना I
	पाठ्यचर्या : 16 (क) भारतीय लोकसाहित्य	1.लोक साहित्य के स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना I 2.लोकसाहित्य के विविध प्रकारों से परिचित कराना I 3.लोक साहित्य की व्यापकता से परिचित कराना I 4.महाराष्ट्र की लोक साहित्य का परिचय देना I